हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, सोमवार, 10 मार्च 2025

तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 10.5 डिग्री

11 गर्ल्स कॉलेज के एनएसएस कैंप का समापन, विधि व तान्या को मिला बेस्ट वॉलेंटियर अवार्ड

12 बैंक खाते में ढाई करोड़ का फर्जी लेनदेन, पुलिस के हत्थे चढ़ा बैंक उप प्रबंधक

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। शिव मंदिर में सजी श्री श्याम बाबा की प्रतिमा। फोटो :हरिभूमि

नई अनाजमंडी में श्री श्याम बाबा का फाग उत्सव आज

रेवाड़ी। नई अनाज मंडी स्थित शिव मंदिर में फाल्गुन एकादशी के अवसर पर 10 मार्च को 114वें श्री श्याम संकीर्तन व फाग उत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्रीश्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से आयोजित संकीर्तन को समय शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक का रहेगा। ग्रुप के सदस्य रवि भट्ठेवाले ने बताया कि संकीर्तन में श्री वृंदावन धाम से भजन गायक स्वर्णा श्री व ध्रुव शर्मा तथा गोकलगढ़ से संजय शर्मा मनमोहक भजनों से बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। 11 मार्च को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

बाबा हर्षापुरी धाम पर दो दिवसीय उत्सव आज से

नाहड़। कोहारड़ स्थित बाबा हर्षापुरी धाम पर दो दिवसीय उत्सव का 10 मार्च को जागरण के साथ शुभारंभ किया जाएगा। 11 मार्च को भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। खंड नाहड़ के गांव कोहारड़ में ग्राम वासियों के सहयोग से प्रति वर्ष उत्सव का धूमधाम से आयोजन किया जाता है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि रणबीर सिंह तथा कमेटी प्रधान रमेश कुमार ने बताया कि 10 मार्च रात्रि 9 बजे अमन नाहड़िया एंड पार्टी द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। मंगलवार को प्रातः 8 बजे पंडित रामेश्वर की ओर से हवन किया जाएगा। कन्याओं एवं साधु संतों को भोजन कराने के बाद श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

श्याम नगर में बाबा देवता का जागरण आज

नाहड़। गांव श्यामनगर में ग्राम वासियों एवं कमेटी के सहयोग से बाबा देवता के 18वें विशाल उत्सव का 10 मार्च को जागरण के साथ शुभारंभ किया जाएगा। बाबा देवता कमेटी के प्रधान बिजेंद्र बिजवा, उप प्रधान प्रवीण, खजांची दीपचंद तथा समाजसेवी जयसिंह ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अनिल यादव विधायक कोसली शिरकत करेंगे, विशिष्ट अतिथि राकेश लांबा, अरमान लांबा, नवीन कड़ौधा व जगमोहन कड़ौधा रहेंगे।

उन्होंने बताया कि 10 मार्च को सुबह 9 बजे मंदिर में पुजारी पंडित महीप सीताराम की ओर से हवन कराया जाएगा।

कोसली फ्लाईओवर के पास से बाइक चोरी

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र के फ्लाई ओवर के पास से व्यक्ति की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। श्याम नगर गांव निवासी अनूप ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार को अपने दोस्त की बाइक लेकर नाहड़ रोड़ एक्सिस बैंक आया था तथा रेल ओवरब्रिज के नीचे बाइक खडी कर बाजार में चला गया। शाम को जब वापस आकर देखा तो बाइक गायब थी। अपने स्तर पर खोजबीन के बाद उन्होंने कोसली थाने में शिकायत दी। पुलिस ने चोरी की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

लोगों को हर समय बना रहता जान का खतरा, एजेंसी के पकड़ने पर भी आखिर कैसे बढ़ रही गोवंश की संख्या

नगर परिषद को गोवंश के अगले हमले का इंतजार टेंडर देने के बाद भी समस्या नहीं हो रही कम

एजेंसी की ओर से पिछले दिनों 500 से अधिक गोवंश पकड़ कर गोशाला में छोड़े जा चुके

- पशु पालक दूध दोहने के बाद गोवंश को खुले में छोड़कर लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रहे

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक के पास सड़क पर खड़े गोवंश, अनाजमंडी में लगा गोवंश का जमावड़ा, सेक्टर-1 के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में जमा गोवंश। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद की एजेंसी को ठेका देने के बाद भी शहर की सड़कों पर काफी संख्या में गोवंश नजर आ रहे है। नगर परिषद को टेंडर देने के बाद कोई परवाह नहीं है, जबकि शहर की सड़कों पर घूमते गोवंश की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। नगर परिषद अधिकारियों की ओर से ओर से मॉनिटरिंग न करने के कारण एजेंसी भी सुस्त होती जा रही है, जिससे लोगों को हर समय जान का खतरा बना रहता है। लाखों का टेंडर देने के बाद भी सड़कों पर घूमते गोवंश लोगों के लिए आफत बने हुए है। सड़कों पर घूमते गोवंश अचानक लोगों पर हमला बोल देते है।

पिछले एक साल में सड़कों पर लड़ते गोवंश दर्जनों लोगों को अपना शिकार बनाकर अस्पताल पहुंचा चुके है, लेकिन प्रशासन इन घटनाओं से सबक लेने की बजाय लोगों की जान से खिलवाड़ करने में लगा हुआ है। एजेंसी का कहना है कि गोवंश लगातार पकड़े जा रहे है। नगर परिषद ने गोवंश पकड़कर गोशालाओं में छोड़ने के लिए रॉयल एंटरप्राइजेज कंपनी को एक साल का ठेका दिया गया है। एजेंसी की ओर से पिछले दिनों 500 से अधिक गोवंश पकड़ कर गोशाला में छोड़े जा चुके है।

सड़कों पर हर तरफ घूम रहे गोवंश

सरकार की ओर से आदेश जारी किए जाते हैं, लेकिन यह आदेश जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन नहीं हो पाते है। नगर परिषद अधिकारियों को जनता की परेशानी से कोई सरोकार नहीं है। रेवाड़ी में सांडों की लड़ाई में लोगों की जान जा चुकी है तथा दर्जनों लोग घायल हो चुके है। सांड लड़ते-लड़ते कई बार घरों तक में घुसकर परिवार के सदस्यों को अस्पताल पहुंचा चुके है। यहां तक की सड़क पर खड़े वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर चुके है। शहर की सड़कों पर चारों तरफ गोवंश के झुंड देखे जा सकते हैं। शहर के सरकुलर रोड, बावल रोड, नाईवाली सब्जीमंडी, अनाजमंडी, सचिवालय के पास, महाराणा प्रताप चौक के पास, पुराना हाउसिंग बोर्ड रोड, मॉडल टाउन व सेक्टरों में हर समय गोवंश विचरण करते देखे जा सकते है।

पशुपालकों के गोवंश बन रहे आफत

नगर परिषद की ओर से घोषित कैटल फ्री शहर में हर तरफ गोवंश घूमते नजर आ रहे है। एजेंसी की ओर से गोवंश पकड़कर गोशालाओं में छोड़ने पर भी शहर की सड़कों पर इनकी संख्या में कमी नजर नहीं आ रही है। शहर की सड़कों पर घूमकर लोगों के लिए परेशानी पैदा करने वाले ज्यादातर गोवंश पशुपालकों के ही है। पशु पालक दूध दोहने के बाद गोवंश को खुले में छोड़कर लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रहे है। एजेंसी की ओर से पकड़ने पर पशुपालक जुर्माना भरकर इनको फिर से छुड़ा लाते है और ये गोवंश फिर से सड़कों पर आकर लोगों पर जानलेवा हमले करते है।

मिनी बाइपास पर सड़क पर बांधे जा रहे पशु

शहर में बढ़ते ट्रैफिक से लगते जाम की समस्या को कम करने के लिए बावल रोड से दिल्ली रोड को जोड़कर मिनी बाइपास बनाया गया था, लेकिन यह मिनी बाइपास लोगों के पशु बांधने के लिए काम आ रहा है। मिनी बाइपास पर कृष्णा नगर से राजीव नगर तक सड़क व डिवाइडर पर लोगों ने गोवंश बांधे हुए है। नगर परिषद यह सब देखकर भी अंजान बनी हुई है।

अवैध हथियार रखने के मामले में सीआईए के हत्थे चढ़ा एक और आरोपी, पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया

- पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो :हरिभूमि

सीआईए ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला भिवानी के गांव आमलपुर निवासी नरेंद्र उर्फ ढिल्लू के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। 7 नवम्बर 2022 की रात को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक बिना नंबर की बाइक पर लुहाना गांव से सीहा की तरफ आ रहा है। उसके पास अवैध हथियार है और वह किसी वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना के बाद सीआईए की टीम ने गांव सीहा स्कूल के पास नाकाबंदी करके आरोपी जचेन्द्र उर्फ सोनू निवासी गांव आलमपुर जिला भिवानी को काबू कर लिया। पुलिस ने कब्जे से 1 देशी कट्टा बरामद किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी जचेन्द्र उर्फ सोनू ने बताया की वह अवैध देशी कट्टा अपने भाई नरेंद्र उर्फ ढिल्लू से लेकर आया है। सीआईए ने शनिवार को मामले में संलिप्त नरेंद्र उर्फ ढिल्लू को भी गिरफ्तार कर लिया है। अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

वैभव ने लेफ्टिनेंट बनकर किया जिले का नाम रोशन

रेवाड़ी। शहर के शक्ति नगर निवासी वैभव यादव ने लेफ्टिनेंट बनकर अपने माता-पिता व जिले को गौरवांवित किया है। मूलरूप से जिला झज्जर के गांव गोरिया निवासी वैभव यादव ने हाल ही में चेन्नई में प्रशिक्षण अकादमी में हुई पासिंग आउट परेड में कमीशन प्राप्त किया है। गौरव की पहली पोस्टिंग जैसलमेर राजस्थान में हुई है। पिता जयप्रकाश यादव ने बताया कि गौरव ने 10वीं और 12वीं की पढ़ाई होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल से की। इसके बाद संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा यानि सीडीएस में अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त की। वैभव के दादा नायक सूबेदार ईश्वर सिंह, पिता जेपी यादव, मां सुधा यादव व बहन पारुल यादव ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। वैभव ने अपनी सफलता को श्रेय अपने परिवार व गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है।

रेवाड़ी। लेफ्टिनेंट वैभव यादव अपने माता-पिता व बहन के साथ। फोटो :हरिभूमि

बाइक चोरी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। रामपुरा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला कोटपुतली बहरोड़ के गांव बलाहीर निवासी बाबुलाल व गांव पाली निवासी विक्रम के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई बाइक को बरामद कर लिया है। गांव टिंट निवासी सूबे सिंह 5 जून 2023 को बाइक से गांव हरजीपुर में एक प्रोग्राम में गया था। उसने अपनी बाइक को गांव के रोड पर खड़ा किया था, जिसे कोई व्यक्ति चोरी करके ले गया। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई बाइक को बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

शहर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराकर उनके समाधान की मांग उठाई

एमएलए-एक्स एमएलए में शब्दों की जंग, लक्ष्मण लगा रहे भ्रष्टाचार के आरोप, चिरंजीव बता रहे एक्सिडेंटल

लक्ष्मण सिंह यादव के बयान पर पूर्व विधायक का पलटवार, कोसली से नकारे जाने के बाद रेवाड़ी की जनता पर थोंपे गए

कैप्टन अजय यादव, लक्ष्मण यादव, चिरंजीव राव।

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की ओर से कैप्टन परिवार पर की गई भ्रष्टाचार को लेकर बयानबाजी के बाद राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। लक्ष्मण के कैप्टन परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद पूर्व विधायक चिरंजीव राव ने भी पलटवार किया है। उन्होंने लक्ष्मण को 'एक्सिडेंटल' बताते हुए कहा कि कोसली हलके की जनता ने जिसे नकार दिया था, वह अब रेवाड़ी की जनता पर थोंपे गए हैं।

पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने बीते दिनों सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात करने के बाद दावा किया था कि वह शहर की समस्याओं को लेकर सीएम से मिले थे। उन्हें शहर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराकर उनके समाधान की मांग उठाई है। इसके बाद ही विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कैप्टन परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा था कि कैप्टन को भ्रष्टाचार की फाइल खुलने का डर सता रहा है। इसी वजह से उन्होंने सीएम से मुलाकात की है, ताकि उनकी फाइल नहीं खुले। उन्होंने कैप्टन परिवार पर लगातार तीन दशक तक रेवाड़ी को विकास के मामले में उपेक्षित बनाए रखने का आरोप भी लगाया था। लक्ष्मण सिंह यादव की ओर से कैप्टन परिवार पर साधे गए निशाने पर पूर्व विधायक चिंरजीव राव ने जमकर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी की जनता ने तीन दशक से ज्यादा समय तक कैप्टन परिवार में विश्वास जताया। इस परिवार ने जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया, इसी कारण जनता उन्हें बार-बार मौका देती रही। कैप्टन ने मंत्री पद पर रहते हुए अनेक परियोजनाओं को सिरे चढ़वाया था। उन्होंने खुद विपक्ष का विधायक होते हुए भी हलके की समस्याओं को विधानसभा में जमकर उठाया था। उनके परिवार को लगातार प्रयास रहा है कि रेवाड़ी का तेज गति से विकास हो।

पूर्व विधायक ने रखा दुखती रग पर हाथ

पूर्व विधायक चिरंजीव राव ने पिता के प्रति की गई बयानबाजी पर एक तरह से 'दुखती रग' पर हाथ रखने का काम किया है। चिरंजीव ने कहा कि नगर परिषद भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा गढ़ बनी हुई है। विधायक शुरू में नगर परिषद में भ्रष्टाचार की खुलकर बात करते थे, परंतु अब 'सेटिंग' होने के कारण उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुप्पी साध ली है। शहर के लोग विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कोसली से नकारे जाने के बाद लक्ष्मण रेवाड़ी के 'एक्सिडेंटल' विधायक बने हैं। जब उन्हें मौका मिला है, तो वह आरोप लगाने की बजाय हलके के विकास पर ध्यान दें।

किसी समस्या का नहीं हो रहा समाधान

पूर्व विधायक का कहना है कि बेसहारा पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में भेजने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद शहर के हर एरिया में बेसहारा पशु आमजन के लिए खतरा बने हुए हैं। शहर के विकास को ब्रेक लगे हुए हैं। सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। विधायक सप्ताह में एक दिन झाड़ू लेकर सफाई अभियान चलाने का दावा करते हैं, परंतु शहर की जनता हकीकत से अच्छी तरह वाकिफ है। बहरहाल कई दिनों तक सुस्त रहने के बाद विधायक के बयान ने क्षेत्र की राजनीति में गर्माहट पैदा करने का काम कर दिया है। देखना यह है कि बयानबाजी का यह दौर कितना और आगे बढ़ता है।

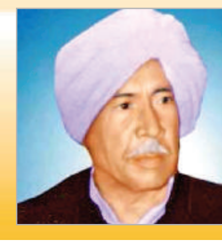

लोककवि

दयाचंद मायना हरियाणवी बोली के कवि थे। वे हरियाणा के अब तक के सबसे महत्वपूर्ण कवियों और लोकगीत कलाकारों में से एक हैं। उनका जन्म 10 मार्च 1915 को हरियाणा (तत्कालीन पंजाब) के रोहतक जिले के मायना गांव में एक वाल्मीकि परिवार में हुआ था। उन्होंने हरियाणवी सांग और रागनी का बेहतरीन निर्माण किया। उन्होंने 21 किस्सा (हरियाणवी में नाटक) और 150 से अधिक रागनियां (हरियाणवी में कविता) लिखीं। 20 जनवरी 1993 को उनका निधन हो गया।

जन कल्याण के रचनाकार कहलाए शिवचरण

जयंती विशेष

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

प्रसिद्ध लोककवि एवं भजनोपदेशक शिवचरण का जन्म 9 मार्च 1929 को फाल्गुन मास की त्रयोदशी को महाशिवरात्रि के दिन दिल्ली देहात के ऐतिहासिक गांव नांगल ठाकरान में हुआ। शिवरात्रि के दिन जन्म होने के कारण ही इनका नाम शिवचरण रख दिया गया । इनके पिता का नाम मलूक राम तथा माता का नाम प्रेमकौर था। चार वर्ष की आयु में ही पिता का साया इनके सिर से उठ गया और इनका पालन-पोषण इनके पितृव्य निहालचंद 'निहाल' द्वारा किया गया। गौरतलब है कि निहालचंद 'निहाल' अपने समय के प्रसिद्ध लोककवि एवं लोकनाट्यकार (सांगी) थे। उनका संरक्षण प्राप्त होने के कारण बचपन से ही इनके मन में संगीत के प्रति गहरा लगाव पैदा हो गया। इन्होंने आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की।

पंद्रह-सोलह वर्ष की आयु में इनकी दिल्ली क्लाथ मिल में नौकरी लग गई। जहां संयोग से इन्हें संगीत का शौक एवं जानकारी रखने वाले कई सहयोगी मिल गए। अब इनके पास जब भी खाली समय होता था, ये सभी वहीं अपना गायन, वादन का अभ्यास कर लेते थे। कुछ समय बाद इन्होंने अपनी पूरी भजन-मंडली बना ली। इनके कार्यक्रमों में अधिकतर देशभक्तिपूर्ण, आध्यात्मिक व शिक्षाप्रद भजन व रागनी होते थे। इनके कार्यक्रमों का लोगों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता था। इसके साथ-साथ ये समाजसेवा के कार्यों में भी अत्यधिक रुचि रखते थे। कुश्ती के शौकीन, मीठी-वाणी और परोपकार की प्रवृत्ति रखने वाले शिवचरण विशाल हृदयी थे तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' में विश्वास रखते थे। एक बार गांव नांगल ठाकरान में उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुएँ में गिरे एक बच्चे को बचाया तो दूसरी बार किसी कारण से दो गुटों में बंटे मांढ़ोठी गांव के ग्रामीणों को एक स्थान पर बुलाया और उनके गिले-शिकवे दूर करवाए। जिससे सारा गांव दोबारा एकजुट हो पाया। इस पर गांव के प्रधान ने इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि महाशय जी, आज आपने हमारे गांव को टूटने से बचा लिया। इस सुकृत के लिए हमारा गांव सदा आपका ऋणी रहेगा। इस प्रकार के अनेक प्रसंग इनके नाम के साथ जुड़े हुए हैं। लोककवि शिवचरण एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी थे। अपने पितृव्य एवं गुरु निहालचंद 'निहाल' की तरह इनके कंठ में भी मां सरस्वती का वास था। इनका गाना सुनकर श्रोता आत्मविभोर हो उठते थे। वस्तुतः इनके तीन गुरु थे। पहले, निहालचंद 'निहाल' जिनसे इन्होंने काव्य रचना और गायन विधा का ज्ञान प्राप्त किया। दूसरे, बिजवासन निवासी भूपसिंह जिनसे इन्होंने हारमोनियम बजाना सीखा और तीसरे स्वामी परमहंस, जो इनके आध्यात्मिक गुरु थे। इनकी अपने तीनों गुरुओं के प्रति अगाध श्रद्धा थी । अग्रदत्त पंक्तियों में इनके तीनों गुरुओं का वर्णन किया गया है-

'निहाल' भूपसिंह परमहंस जी तीनों को गुरु मान लिया ।
गाणा और बजाणा लिखणा ब्रह्मविद्या का ज्ञान लिया ।
खूब कर्या प्रचार ज्ञान का दूध और पाणी छान लिया ।

> लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे, जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा

सही बात है सही आदमी फेर लोगां नै भी जान लिया ।
देश धर्म केगाणे मैं ला अपनी उम्र तमाम गए ।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए ।।

लोकगायकों और सांगियों में अपने गायन के श्रीगणेश में मंगलाचरण व गुरु-स्मरण की परंपरा देखने को मिलती है। वे भी अपने कार्यक्रम का आगाज इसी प्रकार करते थे। उदाहरण के लिए मां भवानी की भेंट के कुछ अंश प्रस्तुत हैं-

अजब तेरी शान का री, कोन्या भेद किसी नै पाया ।।
कहै शिवचरण सभा मैं आओ, माई गाणे मैं रंग बरसाओ, मुझ मूर्ख को सही बताओ,
रास्ता ज्ञान का री, ध्यान मनै थारे चरणां मैं लाया ।।

लोककवि शिवचरण के व्यवहार, चरित्र एवं जन्मस्थली आदि के सन्दर्भ में उनके परिजनों एवं पुरजनों से प्राप्त जानकारी के साथउनके काव्य से भी इसकी यथेष्ट जानकारी मिलती है। जैसे-

शिवचरण नै थारा विश्वास सै,
मन मैं पूरी - पूरी आस सै,
मेरा खास सै नांगल गाम, सच्चा धाम,
मुख से नाम,राम जी का टेरा जी ।।

उनके काव्य में लोकाचार के दर्शन होते हैं। लोकजीवन में कन्यादान को सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है, जो व्यक्ति अपनी जवान बेटी का विवाह समय पर नहीं कर पाता तो उसकी निंदा होती है। अतः लोकनिंदा से बचने के लिए द्रौपदी की माँ राजा द्रुपद से अपनी बेटी के हाथ पीले करने का अनुरोध करती है। वह राजा को उसके कर्त्तव्य का बोध इस प्रकार करवाती है-

स्याणी बेटी-भाण कंवारी, ना ठीक बाप के घर पै ।
गृहस्थ-धर्म की रीत पुराणी, फर्ज बाप के सिर पै ।।

> कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार-प्रसार में जुटे रहे

हमारी संस्कृति की बिसात तप, त्याग, दया, धर्म, पुण्य, दान आदि अनेक उदात्त तत्त्वों से बुनी गई है। गृहस्थ आश्रम को सब से श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि अन्य सभी आश्रम इसी पर आधारित हैं। कवि ने समाजोपयोगी लोकाचार को अपनाने का उपदेश इस प्रकार दिया है-

दया धर्म और शील-सुभा लक्ष्मी का वास कहैं सैं ।
इस गृहस्थ धर्म नै वेद-शास्त्र, भक्ति खास कहैं सैं ।।
अपणा-अपणा फर्ज समझ कै, पूरा प्रण निभावैं ।
माँ-बाप करैं सो बेटा-बेटी, न्यूँ दुनिया कहती आवै ।
मात-पिता का फर्ज बालकाँ तै, आच्छी बात सिखावै ।
लिखा-पढ़ा कै करैं श्यामर्थ, जिन्दगी सफल करावै ।

लोकजीवन में श्रद्धा-भक्ति की मन्दाकिनी अबाध गति से प्रवहमान है। अशिक्षित एवं अर्धशिक्षित लोगों की धर्म एवं भक्ति में अगाध आस्था है। इन्होंने लोकमानस की इस आस्था को बनाए रखने एवं इसे और पुष्ट करने के लिए लोगों को इस प्रकार सचेत किया है-

नहीं मरे का शोक किसे नै, बिरथाए जिंदगी खो चाल्या।
लोक परलोक बिगाड़े दोनों ना मनुष जन्म हर बार मिलै ।।
निहालचंद सतगुरु के संग मेरा जन्म-जन्म का नाता है ।
पूरी शक्ति मिलै गुरुमुख नै जो शरण गुरु की जाता है ।
भक्ति-दान गुरु से मिलता वो ब्रह्मविद्या का दाता है ।
जिस पै मौज गुरु की होज्या वो परमगति को पाता है ।
शिवचरण पै मेहर फेर दयो जो सार शब्द का तार मिलै ।।

लोककवि शिवचरण की रचनाओं में जीवन के सभी आयाम सहज रूप से उद्घाटित हुए हैं । सामाजिक सरोकारों एवं नैतिक मूल्यों के साथ-साथ देशप्रेम की भावना भी उनके काव्य में हिलोरें मार रही है। सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध के उपरान्त दिल्ली में कड़ेखां नामक स्थान पर तत्कालीन लोककवियों के मध्य देशप्रेम के गीतों से सम्बद्ध एक प्रतियोगिता हुई, जिसमें इनके अग्रदत्त राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत गीत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ-

भारत माँ के पूत ऊठ इब, देर तनै क्यूँ लाई ।
पाकिस्तान मानता ना करी हिन्द नै बहोत समाई ।।

पुराने समय में नैतिक मूल्यों की बड़ी कद्र थी। बड़े-बूढ़ों का आदर सम्मान था लेकिन समय ने करवट बदली और समाज का सारा ताना-बाना बिखरने लगा। ऐसी भयंकर स्थिति को देखकर कविवर शिवचरण का मन अकुला उठा। समाज को दशा एवं दिशा दिखाती उनकी अग्रदत्त रचना की एक-एक पंक्ति गौर करने लायक है-

कई लड़की हों जिस माणस कै, उसकी श्यामत आवै सै।
लड़का देखण की सोचै जब, पहल्याएँ घबरावै सै।
बेशक लड़का अनपढ़ हो पर, उलट-पुलट बतळावै सै।
नगद दान लाखों मैं पोंहचै, अर कार - स्कूटर चाहवै सै।
फेरे लेकै दें छोड़ फेर भी, न्यूँ जीणा दुश्वार होया।।
सतपुरुषों की कद्र रही ना, झूठ्याँ का विस्तार होया।।

जीवन के अंतिम वर्षों में इनका अधिकतर समय हरि भजन में व्यतीत होने लगा। स्वर्गवास से कुछ दिन पहले अचानक इनका स्वास्थ्य ज्यादा खराब हो गया। दवाइयों ने भी कोई असर नहीं दिखाया। 10 जनवरी 1997 को सवेरे के समय इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम', पास बैठे थे, उनको परोपकार, समाजसेवा और अन्य शुभ कार्यों के लिए प्रेरित किया और अपनी एक प्रसिद्ध रचना की निम्नलिखित पंक्तियां सुनाते हुए परमधाम के लिए प्रस्थान कर गए-

दान-पुण्य करणे तै मनुष की कला सवाई होज्या।
बणा कुएं बाग स्कूल धर्मशाला सफल कमाई होज्या।
धर्म - कर्म नहीं छुपै कुटुंब की मान-बड़ाई होज्या।
शिवचरण वरदान मिलै खुश दुर्गे माई होज्या।
सतगुरुजी की मेहर फिरै जब शिष्य नै पास कहैं सैं।।

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार, प्रसार में जुटे रहे। उन्होंने लोक-कल्याण में अपना सारा जीवन लगा दिया। इनके निधन के उपरान्त इनके अनेक शिष्य इनकी परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनमें सुरेश रोहिल्ला, महेन्द्र सिंह व रामबीर सिंह 'राम'प्रमुख हैं। इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम' उनके ही संस्कारों से आज हरियाणवी साहित्यकारों में उच्च सम्मान पाते हैं। 'राम' विशेष रूप से काव्य-रचना में सक्रिय हैं। उन्होंने कविराज शिवचरण के जीवनवृत्त को एक भजन के रूप में प्रतिपादित किया है । उसके कुछ अंश पेश हैं-

पिता छोड़ कै चल्या गया मनैं ढूंढ्या बहोत मिल्या कोन्या।
साच बताऊँ तात बिना कदे मन का चमन खिल्या कोन्या।
सिर पै धर दिया हाथ साथ ले रामबीर का प्रणाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए ।।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे। जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में एक नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

कुण्डलिया | सत्यवीर नाहड़िया

फाग्गण खूग्या वो दिखे...

न्यारी होवै थी कदे, फाग्गण की सौगात।
इब फाग्गण की ना रह्यी, पहलम आळी बात।
पहलम आळी बात, रात नै गाया करते।
बजा नगाड़े-ढप्प, चुगरदे छाया करते।
बड़ी-बूढ़ळी साँग, काढ़ती मिलकै सारी।
रात चाँदणी बीच, छटा होवै थी न्यारी।।

त्यारी डांडे तै सदा, होया करती खास।
भाईचारा आपसी, आया करता रास।
आया करता रास, आस नित नयी जगाते।
ढाल-बिड़कले गैल, कूकड़ी भोत बणाते।
ऊँच्ची होळी रोज, बणाते मिलकै भारी।
गाकै होळी भोत, हुवै थी न्यारी त्यारी।।

फाग्गण खूग्या वो दिखे, नहीं बच्यी वै बात।
भाईचारा ना रह्या, बदल्ये न्यूँ हालात।
बदल्ये न्यूँ हालात, टांड पै धरे नगाड़े।
गोबर-गारा गैल, धुत्त हो करते खाड़े।
चाल्ली पछवा पौन, रीत न्यूँ लाग्ये त्यागण।
गूँज्या करता भोत, रात चाँदण म्हैं फाग्गण।।

कविता | इंद्र सिंह लांबा

हर की भूमि

धन्य धन्य धरा हरियाणा हर की भूमि कहलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

श्री कृष्ण नैं कर्म करण की जो बात कही सै गीता मैं।
यहां कर्मठता से दिखा दिया विश्वास उन्हीं की रीता मैं ।
यहां तीज त्यौहार हंस खिल के आते, रहणा प्यार प्रीता मैं।
सांझ ढले चौपाल बैठकर जिक्र चालैं मीता मैं।

खेल खिलाड़ी म्हारे अगाड़ी, धरती मां इतराती है।
ज्ञानी, ध्यानी, वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सूरदास और ऋषि दयानंद यहां हुए तपधारी थे।
नाहर सिंह और तुला राव सदा अंग्रेजों पर भारी थे।
नेकीराम और श्रीराम शर्मा आजादी के पुजारी थे।
चंदगी राम और लीलाराम बड़े पहलवान बलकारी थे।

शिवालिक और अरावली पर्वत चोटी दिखलाती है।
ज्ञानी ,ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां ,लिखवाती है।
ढ़फ, ढ़ोल , नगाड़े बाजैं जोगी सारंगी पर गाते हैं।
वीरों का इतिहास सुना हर दिल में जोश जागते हैं।।

पावन पवित्र स्थल देखने लोग दूर से आते हैं।
पेहवा, फल्गु, कुरुक्षेत्र भक्तों के बंध रहे तांते हैं।
सतलुज, यमुना, सरस्वती धरती की प्यास बुझाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सांगी,भजनी,प्रचारक तत्काल मेरे हरियाणा मैं।
कवि मोहर सिंह ,बख्तावर, नंदलाल मेरे हरियाणा मैं।
लखमी , मांगे, बाजे ,धनपत, निहाल मेरे हरियाणा मैं।
फिल्म निर्देशक प्रभाकर, यशपाल मेरे हरियाणा मैं।।

नई बुलंदी छूणे के संस्कार हमें सिखलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।
कहे इंद्र लाम्बा नर और नारी मिल के खेत कमाते हैं।
तारों की छाया में जाते तारों की छांव आते हैं।।

बढ़िया खेती बाड़ी सोना बालों में उपजाते हैं।
सादा रहणा सहणा और दूध, दही , घी खाते हैं।
तेरा वंदन तेरा पूजन दुनिया शीश झुकती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक | करीब 150 वर्ष के दौरान विभिन्न परिवर्तनों के दौर से गुजरा है हरियाणा

कई विलय, विघटन के बाद बना वर्तमान हरियाणा

इतिहास | यशपाल गुलिया

राकुछ जागरूक एवं जिज्ञासु पाठकों ने मेरे पिछले लेख बारे प्रश्न उठाया कि हरियाणा तो पंजाब से बना है। ऐसे पाठकों के ज्ञानवर्धन के लिए मैं 150 वर्ष के विभिन्न परिवर्तनों के बारे में अवगत करवा देता हूं। वर्ष 1802 में नवस्थापित हरियाणा राज्य का आयरिश शासक तो स्वर्ग सिधार गया, लेकिन अगले ही वर्ष 1803 में दिल्ली पर अंग्रेज सत्ता स्थापित हो गई।

उन्होंने दिल्ली के तीन तरफ स्थित क्षेत्र को विभिन्न रियासतों व नवाबियों में वितरित कर दिया। जॉर्ज थॉमस द्वारा गठित हरियाणा प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्र को झज्जर रियासत व दुजाना रियासतों को प्रदान कर दिया। जैसे झज्जर रियासत में नारनौल, महेन्द्रगढ़, कांटी तथा बावल तक का क्षेत्र दे दिया गया। वहीं, दुजाना नवाब को नाहड़, भिवानी, हांसी, हिसार तक क्षेत्र दिया गया, जिसका उसने 1809 में स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार करने के बाद अन्य नई रियासत मेवता, पटौदी व लौहारु आदि भी बना डाली। जबकि अंग्रेज शासक से पहले कायम रजवाड़े, नवाबी आदि यथावत बने रहने दिए। क्योंकि उन्होंने न केवल अंग्रेज प्रभुसत्ता को सहर्ष स्वीकार किया बल्कि अंग्रेजों की हर प्रकार से सहायता भी की, जैसे फरुखनगर, बल्लभगढ़, बहादुरगढ़, झाड़सा, कुन्जपुरा, जीन्द, कैथल, नारायणगढ़, रानियां आदि रजवाड़े पहले से स्थापित हो चुके थे। इस तरह जॉर्ज थॉमस द्वारा स्थापित हरियाणा राज्य का नाम तब लुप्त प्राय हो गया। अंग्रेजों ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत 1810 के बाद वर्तमान हरियाणा क्षेत्र में नये जिले बनाने की प्रथा भी आरम्भ कर दी थी और तब पंजाब सतलुज नदी के पार वाले क्षेत्र को कहा जाता था जिसकी राजधानी लाहौर थी। उस समय पंजाब का शक्तिशाली शासक महाराजा रणजीत सिंह था, जिससे अंग्रेजों ने चालाकी पूर्ण सन्धि कर ली थी। अर्थात महाराजा के जीवित काल वर्ष 1839 तक तो अंग्रेज लाहौर तक नहीं गए लेकिन उसके बाद वर्ष 1849 तक सिखों से कई युद्ध करके समस्त पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) पर अधिकार कर बैठे। उसके कुछ वर्षों बाद स्वाभिमानी भारतीय सैनिकों ने 1857 का विद्रोह कर दिया और चार माह तक दिल्ली अंग्रेजों से मुक्त हो गई थी। परन्तु सत्तालोलूप कुछ पंजाब शासकों ने अंग्रेजों को सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर उनका शासन फिर से कायम करवा दिया।

अंग्रेजों ने 1804 में झज्जर रियासत बनाई थी। रियासत का यह महल अब गिरा दिया गया है।

वर्ष 1858 से अंग्रेजों ने भी प्रशासनिक परिवर्तन करके न केवल वर्तमान हरियाणा क्षेत्र बल्कि दिल्ली को भी एक जिला बनाकर पंजाब सूबे के तहत कर दिया तब पंजाब सूबे की राजधानी लाहौर में थी तथा दिल्ली, वर्तमान हरियाणा व हिमाचल क्षेत्र सहित 32 जिलों का राज्य बना दिया था। उसके बाद वर्ष 1912 से दिल्ली को पंजाब से अलग कर दिया गया क्योंकि अंग्रेजों ने 1912 से कलकत्ता से राजधानी दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। लेकिन हरियाणा व हिमाचल को 1966 से ही अलग राज्यों का दर्जा प्राप्त हो सका। अर्थात नए हरियाणा का उदय वर्ष 1966 में एक नवंबर को हुआ।

विशेष : लेखक ने शोध शैली की विभिन्न पुस्तकें लिखी हैं।

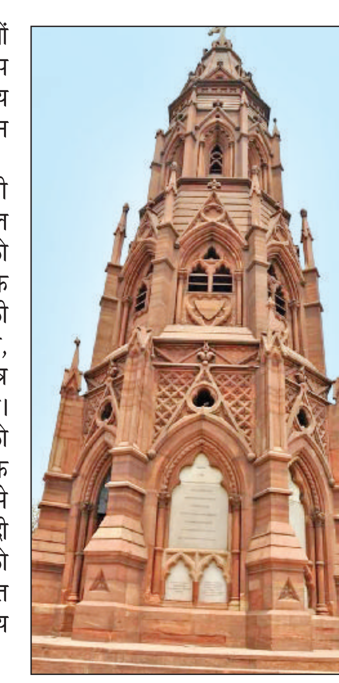

अंग्रेजों द्वारा दिल्ली में बनाया गया 1857 का स्मारक।

संस्कृति संवर्धन में कला की अहम भूमिका : प्रदीप जेलपुरिया

कलाकार | ओ.पी पाल

हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को संजोए रखने के लिए लोक कलाकार अलग-अलग विधाओं में अलख जगा रहे हैं। सूबे के लोक कलाकारों और गीतकारों ने देश में ही नहीं, वरन् विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ी है। ऐसे ही विख्यात कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने मिमिक्री और मंच संचालन के साथ अपने गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियों से लोकप्रियता हासिल की है, वहीं वह जेल विभाग में सेवा देते हुए कैदियों को भी संस्कृति और संस्कारों की सीख दे रहे हैं। मिमिक्री के साथ रागनी गायन, एंकरिंग, कविता लेखन के माध्यम से सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और खेल जैसे समारोह में एंकरिंग की भूमिका में बुलंदियां छू रहे कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अपनी कला के सफर में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें अपनी संस्कृति का संवर्धन करना उनकी कला की प्राथमिकता है।

हरियाणा के विख्यात मिमिक्री कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का जन्म जिला झज्जर के शहर बहादुरगढ़ में 29 दिसंबर 1983 को दलीप सिंह और कृष्णा देवी के घर में हुआ। उनके पिता एक सरकारी स्कूल में अध्यापक और माता गृहिणी के रूप में परिवार की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। परिवार में भले ही साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल न हो, लेकिन उनकी माता पड़ोसियों की जिस अंदाज में मिमिक्री करती थी, उसका प्रभाव बचपन में ही प्रदीप पर पड़ने लगा। इसी कारण उन्हें बचपन में ही अभिनय जैसी कला में अभिरुचि हो गई थी और वह एक्टरों की मिमिक्री करने लगे। प्रदीप की प्राथमिक शिक्षा सरकारी स्कूल एवं माध्यमिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय रेवाडी से हुई। जबकि बीए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंबेडकर कालेज और एमए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से उत्तीर्ण की। बकौल प्रदीप जेलपुरिया, वह स्कूली शिक्षा के दौरान नाटकों में मंचन और मिमिक्री करने लगे। जब वह सातवीं कक्षा में थे तो उन्होंने पहली बार अपने प्रिंसिपल की मिमिक्री की, इस पर प्रिंसिपल ने उसे डांटने या पीटने के बजाय इस कला के लिए प्रोत्साहित किया। वह स्कूल के कार्यक्रमों में नाटकों में अभिनय मंचन और मिमिक्री करने लगे। उन्होंने बताया कि एमडीयू में एमए के दौरान पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित आल इंडिया पुलिस गेम (घुड़सवारी) में उन्होंने बतौर एंकर की भूमिका निभाई। उनकी उपलब्धियों को देखकर ग्रैपलिंग गेम में कल्चरल अफेयर्स का निदेशक बनाया गया, जिसके तहत उन्होंने ग्रैपलिंग गेमों में कई वर्ष एंकरिंग की। इसके अलावा झज्जर बहादुरगढ़, रोहतक, रेवाडी, फरीदाबाद एवं नूहं के गीता महोत्सव में भी एंकरिंग की। एंकरिंग के साथ हरियाणवी संस्कृति को संजोए रखने के लिए मुहिम छेड़ी और हरियाणा रागनी का मंचन भी किया और हरियाणवी गाने '70 का हरियाणा' में भी भूमिका निभाई। गत वर्ष 2024 में विशाखापटनम, राजीव गांधी स्टेडियम दिल्ली, छत्रसाल स्टेडियम दिल्ली एवं तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एंकरिंग एवं हरियाणवी गानों से सबका मन मोहा है। इनका कहना है कि हरियाणवी बोली और संस्कृति का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करना उनकी प्राथमिकता है। जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं, लेकिन उन्होंने उस हालातों में भी हौसला नहीं खोया, जब कुछ साल पहले पैरालिसिस के कारण उनका चेहरा खराब होने लगा था। उनकी विभिन्न कलाओं का फोकस हरियाणवी संस्कृति और संस्कारों पर रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

अभिनय, गीतों और लेखन के साथ मिमिक्री की कला में विख्यात होते कलाकार प्रदीप जेलपुरिया को कालेज शिक्षा के दौरान दिल्ली यूनिवर्सिटी आंबेडकर कॉलेज से सर्वश्रेष्ठ मिमिक्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें हरियाणा गौरव पुरस्कार, झज्जर गौरव पुरस्कार के अलावा गृह विभाग के एसीएस विजय वर्धन और जेल महानिदेशक भी पुरस्कार से नवाज चुके हैं। इसके अलावा उन्हें विभिन्न मंचों से अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

कैदियों को दे रहे हैं संस्कृति की सीख

कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का साल 2003 में जेल विभाग में सिपाही के पद पर चयन हुआ। नौकरी के बावजूद उनकी कलाकारी का जज्बा जीवित रहा। जेल के माहौल में रहकर उन्होंने कविता लिखना शुरू किया और जेल में कैदियों को संस्कृति और संस्कार देने का काम शुरू कर दिया। विभाग ने भी उनकी कला को देखते हुए उनकी ड्यूटी बतौर म्यूजिक इंचार्ज जेल रोहतक में कर दी। फिलहाल उनकी ड्यूटी मेवात जेल में हैं। वह समाज को नई दिशा देने के मकसद से संस्कृति के लिए हरियाणवी में कार्यक्रम भी करते आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

व्यक्ति ने फंदा लगा जीवनलीला की समाप्त

महेंद्रगढ़। बीती रात्रि को गांव ऊंची भांडोर निवासी करीब 45 वर्षीय व्यक्ति ने बणी में पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। गांव ऊंची भांडोर निवासी करीब 45 वर्षीय धर्मवीर ने गांव की बणी में पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे पर लटके व्यक्ति को पेड़ से नीचा उतारा। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

नाटक मंचन के लिए 15 को होगा ऑडिशन

नारनौल। रविवार बजाजा बाजार में लोक कला मंच की फाइनल मीटिंग हुई, जिसमें नाटक राजा नून करण नाटक के मंचन पर चर्चा की गई। सुरेश सैनी भगतजी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मौजूद सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की सहमति के बाद धार्मिक रामलीला मंच मोहल्ला चाँदुवाड़ा में 15 मार्च को शाम 7 बजे से 9 बजे तक ऑडिशन और रिहर्सल करना तय किया गया।

मकान से सामान चोरी करने वाला गिरफ्तार

नारनौल। मकान से सामान चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर पुलिस ने चोरी की वारदात में संलिप्त एक आरोपिता चांदनी वासी बस्तिला बिहार को गिरफ्तार किया। जिसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपिता से घर का काफी सामान बरामद किया है। आरोपिता को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सभी युवाओं को संस्कारवान होने की आवश्यकता: प्राचार्या डा. ज्योति यादव

एनएसएस शिविर में विधि और तान्या बेस्ट वॉलेंटियर अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय की दो एनएसएस यूनिट की ओर से राजकीय माध्यमिक विद्यालय ढालियावास में चल रहे सात दिवसीय शिविर का रविवार को समापन होगया। मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्या डा. ज्योति यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम ढालियावास की सरपंच सुशीला व राजकीय माध्यमिक विद्यालय ढालियावास की मुख्य अध्यापिका लता ने शिरकत की। इस अवसर पर प्राचार्या ने कहा कि छात्राओं को सामाजिक गतिविधियों तथा अपनी पढ़ाई के बीच में संतुलन बनाते हुए एक संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सभी युवाओं को संस्कारवान होने की आवश्यकता है और ये संस्कार उन्हें अपने माता-पिता व गुरुजनों से मिल सकते हैं। उन्होंने छात्राओं को मोबाइल का उचित और सकारात्मक प्रयोग करने की नसीहत दी। प्राचार्या ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. रेनू व डा. मोनिका को बधाई दी। एनएसएस एडवाइजरी बोर्ड की सदस्य डा. सुनीता ने कहा की छात्राओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरे मनोयोग से जुट जाना चाहिए। एनएसएस की पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डा. स्वाति व डा. रजनी ने स्वयंसेविकाओं को प्रोत्साहित किया। एडवोकेट यशपाल ने छात्राओं को महिलाओं से संबंधित कानून की जानकारी दी। प्राचार्या ने सात दिनों तक चले कैंप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले वॉलेंटियर्स को सम्मानित किया।

रेवाड़ी। स्वयं सेविकाओं को सम्मानित करती प्राचार्या व स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

इन छात्राओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

एनएसएस यूनिट एक से विधि व यूनिट दो से तान्या को बेस्ट वॉलेंटियर अवार्ड, यूनिट एक से रिया व यूनिट दो से अंजलि को ऑल राउंडर अवार्ड, यूनिट एक से निकिता व यूनिट दो तनू को बेस्ट परफोर्मर अवार्ड,यूनिट एक से वंशिका व यूनिट दो से राशी को बेस्ट मोटीवेटर अवार्ड, कोमल व योगिता को मोस्ट क्रियेटिव अवार्ड, अनिता व हर्षिता को अनुशासन अवार्ड, महक व छवि को वैल बिहेव अवार्ड, साक्षी व वैशाली को रिपोट राइटर अवार्ड तथा पायल व प्रेरणा को भी अवार्ड दिया गया।

ग्रामीणों ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

रेवाड़ी। सामूहिक होली मिलन कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

- एक दूसरे को गले मिलकर की होली की शुभकामनाएं

रविवार को कोसली के पंचायत घर में ग्रामीणों की ओर से सामुहिक होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व हेडमास्टर सज्जन सिंह ने की। इस अवसर पर सज्जन सिंह यादव ने कहा कि होली प्रेम और रंगों का पर्व है, इसे आपसी सौहार्द से मनाना चाहिए। सभी ग्रामीणों ने आपस में खुशियां बांटी व तिलक होली खेली। कार्यक्रम में जिला पार्षद जीवन हितैषी, होशियार सिंह नंबरदार, प्रिंसीपल दयानंद शर्मा, कैप्टन डा. सुचेत यादव, डा. रामफल यादव, एडवोकेट रतनकुमार यादव, ओमप्रकाश डाबला, कैप्टन कर्मसिंह यादव, सतबीर चेयरमैन, जगदीश यादव, मिथलेश पंच, डीएसपी सत्यवान, सूबेदार राजसिंह आर्य, सतबीर सिंह यादव, डा. सुषमा यादव, जगपाल यादव, पंच श्याम जेई, कृष्ण यादव पंच, संदीप पंच, यदुयादव, सूबेदार ब्रह्मानंद यादव, शिला यादव, शारदा पंच, आदित्य पंच, इंद्रजीत यादव व राजबीर पंच सहित पूर्व सैनिक शामिल थे।

होली मिलन समारोह में औद्योगिक विकास को लेकर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लघु उद्योग भारती जिला इकाई की ओर से सेंडपाइपर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के सदस्यों और स्थानीय उद्यमियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संगठन के उद्देश्यों, औद्योगिक विकास, समाज सेवा और एमएसएमई इकाइयों के सहयोग को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान अहिल्या रानी होलकर की त्रि-शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सेमिनार, लेख, सोशल मीडिया अभियानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का प्रस्ताव रखा गया। लघु उद्योग भारती के जिला संयोजक संजय डाटा और जिला सचिव राजेश अग्रवाल ने संगठन की कार्यप्रणाली और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लघु उद्योग भारती भारत का एकमात्र राष्ट्रव्यापी संगठन है, जो सूक्ष्म और लघु उद्योगों के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्यरत है। पूरे देश में इसकी 450 से अधिक शाखाएं कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि संगठन केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा, श्रमिक कल्याण और रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर समाज में लघु उद्योगों की सामाजिक जिम्मेदारी और उनके सकारात्मक प्रभावों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर अनिल गंजू, अमित यादव, एडवोकेट राजीव गुप्ता, महेंद्र छाबड़ा, रोहित सचदेवा, नितिन गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, सुधीर चौधरी, सुनील गर्ग, नरेश गोयल, सीए निधि गौतम, नमन गोयल, मुकेश जैन, अरुण टोकस, राहुल डाटा, सीए कश्यप गुप्ता, जुगनू गोयल, शुभम अग्रवाल, हेमंत कुमार, अमित सांघी, मनीश गोयल, यशपाल, प्रांजल डाटा आदि रहे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद लघु उद्योग भारती के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

खाटू श्याम बाबा के प्रति दिखी श्रद्धा

श्रृद्धालुओं ने कोसली में श्याम बाबा के दरबार में लगाई हाजिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली क्षेत्र में खाटू श्याम बाबा के प्रति लोगों में अगाद्ध श्रद्धा के चलते प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु बाबा का निशान लेकर खाटूधाम के लिए पैदल जा रहे है। कोसली के श्री श्याम मंदिर में भी श्रृद्धालु श्याम बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगा रहे है। रविवार को गांव बेहरामपुर, तुम्बाहेडी, छव्वा व कान्हड़वास से सैकड़ों भक्तों ने अपना ध्वजा निशान बाबा को समर्पित किया। फाल्गुन शुक्ल द्वादशी पर खाटू श्याम धाम पर 10 दिवसीय लक्की मेले का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें देशभर के श्रद्धालु पहुंचकर बाबा के श्री चरणों पर अपना शीश नवा कर अपनी अपनी दुआएं मांगते हैं। लोगों ने भक्तों के लिए अपने-अपने गांवों में श्री श्याम सेवा शिविर लगाएं हुए है ताकि बाबा के दरबार में पैदल निशान लेकर जाने वाले भक्तों को रास्ते में किसी प्रकार से कोई कष्ट न हो।

रेवाड़ी। कोसली के श्री श्याम मंदिर में निशान लेकर जाते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

इनकम टैक्स का नया बिल मौलिक अधिकारों के खिलाफ: विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विकास माया ने कहा कि मोदी सरकार की ओर से प्रस्तुत किया गया नया इनकम टैक्स बिल नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह बिल न केवल गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन करता है, बल्कि यह नागरिकों के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को भी खतरे में डालता है। इस बिल के अनुसार, आयकर अधिकारी किसी भी व्यक्ति को समन भेजकर उसके फोन, कंप्यूटर और ऑनलाइन डेटा तक पहुंच सकते हैं। यह अधिकारी किसी भी व्यक्ति के पासवर्ड को हटाकर उसके डेटा, फोटो, वीडियो, क्लाउड सर्वर, सोशल मीडिया और अन्य जानकारी तक पहुंच सकते हैं। यह न केवल गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन है, बल्कि यह नागरिकों के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को भी खतरे में डालता है।

विकास माया।

स्वदेशी ज्ञान परंपरा को लेकर पेश किया शोध पत्र

- डा. सतबीर इंदौरा ने अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में स्वदेशी ज्ञान परंपरा पर पेश किया शोध पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शैक्षिक फाउंडेशन व शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय तथा नेशनल कौंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ सिंधी लैंग्वेज की ओर से स्वदेशी ज्ञान परंपरा एवं धारणक्षम विकास पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन नई दिल्ली में किया गया, जिसका उद्घाटन धर्मेंद्र प्रधान शिक्षा मंत्री भारत सरकार ने किया। इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य स्वदेशी ज्ञान को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना और उसे सहर्ष स्वीकार करके जीवन में उतरना है। अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में जिला से एबीआरएसएम के जिला महासचिव डा. सतबीर इंदौरा ने भाग लिया। उन्होंने स्वदेशी ज्ञान परंपरा एवं वैज्ञानिक धारणक्षम विकास विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि हमारे समाज में जितने भी त्योहार मनाए जाते हैं, सब का आधार वैज्ञानिक आधार है। पशु-पक्षियों के साथ जो हमारा संबंध रहा है, वह भी विज्ञान पर आधारित रहा है। पीपल के पेड़ की पूजा कर उसका संरक्षण भी विज्ञान पर आधारित है। पीपल का पेड़ सबसे ज्यादा ऑक्सीजन देता है और ऑक्सीजन की हमें बहुत ज्यादा आवश्यकता है।

रेवाड़ी। अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में अपने विचार रखते डा. सतबीर इंदौरा।

रेवाड़ी। मुरलीपुर गांव में लेफ्टिनेंट अंकुश का स्वागत करते ग्रामीण।

लेफ्टिनेंट बनकर मुरलीपुर पहुंचे अंकुश का हुआ स्वागत

कोसली। मुरलीपुर गांव के अंकुश जांगिड़ का गया बिहार की प्रशिक्षण एकादमी में आयोजित पाप एंड स्टार सेरेमनी के बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। अंकुश ने अपनी सफलता से माता-पिता सहित पूरे गांव को गौरवान्वित किया है। अंकुश के परिवार का सेना से गहरा नाता रहा है। दादा धर्मचंद व पिता अरुण कुमार भी सेना ऑनरेरी कैप्टन से सेवानिवृत हैं। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि रणवीर यादव, सूबेदार लालमन, ईश्वर सिंह, अनिल कुमार, अंकुश की दादी बिरमा देवी, पिता अरुण कुमार व बहन करिश्मा, नित्यानंद शास्त्री, महावीर जांगिड़, कृष्ण संजय मुरलीपुर व बाबा राज उन्हें शुभकामनाएं दी। अंकुश जांगिड़ ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा-दादी व माता-पिता के आशीर्वाद एवं अपने गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है।

जैतपुर धाम में लगा श्याम भक्तों का तांता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

खोल खंड के गांव बासदूदा क्षेत्र से सटे राजस्थान जिले के प्राचीन धर्म स्थान श्याम बाबा मंदिर जैतपुर धाम में फाल्गुन माह में श्री श्याम बाबा का लक्खी मेला चल रहा है। रविवार को लाखों की संख्या में श्रृद्धालुओं ने बाबा के धाम पर ध्वज चढ़ाई। श्याम बाबा के धाम पर श्रद्धालु नंगे पैर व पेट पलनिया करते हुए भी आ रहे है। मंदिर के पुजारी विकास ने बताया कि बाबा के धाम पर प्रति वर्ष देश भर से लाखों श्रद्धालु दर्शन कर मन्नतें मांगते हैं। जैतपुर धाम में श्याम भक्त जगह-जगह शिविर व भंडारा लगाकर भक्तों की सेवा कर रहे हैं। मेले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम अपनी सेवा दे रही है। मेला कमेटी प्रधान ताराचंद यादव व गांव के सरपंच मोहित ने कहा कि खाटू के बाद जैतपुर धाम श्याम भक्तों के लिए दूसरा सबसे बड़ा आस्था का केंद्र है।

रेवाड़ी। जैतपुर श्याम मंदिर में लगी श्याम भक्तों की भीड़। फोटो: हरिभूमि

प्रवीन ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

अटेली। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री बाछौद के बिशन लाल के बेटे प्रवीन को प्रदान की गई। उनका शोध कार्य, जिसका शीर्षक फोटोवोल्टिक (पीवी) स्ट्रिंग और ग्रिड इंटीग्रेशन में फॉल्ट का पता लगाना है, नए एल्गोरिदम का उपयोग करके डॉ. मनीष कुमार और डॉ. अजय कुमार बंसल की देखरेख में किया गया था। अपनी पीएचडी यात्रा के दौरान कुमार ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में सात शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

विजय एकता मंच ने लगाया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सामाजिक संस्था विजय एकता मंच की ओर से गांव गुड़ियानी में रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कोसली धीर नेत्र संस्थान और एम्स बाढ़सा, झज्जर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में निःशुल्क नेत्र जांच, रक्त परीक्षण और स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर का उद्घाटन अभिमन्यु यादव ने किया। उन्होंने स्वयं रक्तदान कर इस पहल को समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए मंच की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्त एकमात्र ऐसी अनमोल चीज है, जिसे केवल रक्तदाताओं के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। विजय गुड़ियानी ने बताया कि शिविर में युवाओं द्वारा 101 यूनिट रक्तदान किया गया। उन्होंने स्वयं भी रक्तदान किया तथा रक्तदाताओं के निस्वार्थ योगदान की सराहना की। उन्होंने ग्रामीणों से नियमित रक्तदान करने का आग्रह किया। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर और हिमोग्लोबिन की जांच की गई। नेत्र विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और अन्य नेत्र रोगों की जांच की गई तथा लोगों को निःशुल्क चश्में और दवाइयां दी गई। शिविर में 178 लोगों ने नेत्र जांच कराई तथा मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए 40 मरीजों को चिन्हित किया गया।

रेवाड़ी। शिविर में लोगों की आंखों की जांच करते हुए डॉक्टर। फोटो: हरिभूमि

मौसम का मिजाज आज से मौसम में बदलाव की आशंका, इस सप्ताह बूंदाबांदी होने की संभावना

रविवार को अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 32 डिग्री पर पहुंच गया

अब रात का पारा भी चढ़ना शुरू, दिन का तापमान 32 डिग्री पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रात का पारा दो दिन से चढ़ना शुरू हो गया है, जिससे ठंड का असर अब कम होना शुरू हो गया है। दिन का तापमान 32 डिग्री पर पहुंच गया है, जिससे दिन के समय मौसम गर्म बना रहता है। सुबह-शाम के समय ठंड का असर अभी भी देखने को मिल रहा है। 10 मार्च से मौसम में एक बार फिर बदलाव आने की संभावना जताई जा रही है। इस सप्ताह आसमान में बादल छाने के साथ ही बूंदाबांदी होने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है।

बीते सप्ताह मौसम लगातार साफ बना रहा। दिन का तापमान पूरे सप्ताह लगातार बढ़ता रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 32 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान अभी तक नीचे गिर रहा था। दो दिन से यह भी बढ़ना शुरू हो गया। 2 डिग्री की वृद्धि के साथ न्यूनतम तापमान भी 10.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। गत वर्ष 9 मार्च को अधिकतम तापमान 26.6 और न्यूनतम 9.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। हवा में नमी का स्तर 43 फीसदी रहा, जबकि 13 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। रात के तापमान में गिरावट से अभी तक सुबह के समय ठंड का असर देखने को मिल रहा था। दिन के समय तापमान बढ़ने के कारण बीते सप्ताह से ही पंखे भी चलने शुरू हो गए। अब रात का तापमान बढ़ने से सुबह के समय भी ठंड का असर कम होना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम विक्षोभ एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। इससे सप्ताह के शुरू में ही आसमान में आंशिक या घने बादल छा सकते हैं। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के साथ कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है।

रेवाड़ी। एक खेत में पककर तैयार हुई सरसों। फोटो: हरिभूमि

किसानों की टेंशन बढ़ाएगा मौसम

इस समय किसान सरसों की कटाई का कार्य तेजी से कर रहे हैं। अगेती फसल मंडियों में आने लगी है। सोमवार से मौसम में बदलाव आने से किसानों की टेंशन बढ़ सकती है। हल्की बरसात सरसों की कटाई का कार्य बाधित कर सकती है। अगर बरसात के साथ ओलावृष्टि होती हे, तो इससे फसलों को नुकसान हो सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार मौसम में बदलाव गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद भी साबित हो सकता है। हल्की बरसात गेहूं की फसल का अच्छा पकाव करने में सहायक हो सकती है। तेज हवाओं के साथ होने वाली बरसात जरूर फसल को नुकसान पहुंचा सकती है।

राजपूत परिवार मिलन प्रकोष्ठ ने होली पर पानी बचाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के परिवार मिलन प्रकोष्ठ की ओर से रविवार को चंदन तिलक लगाकर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कानोड़ गेट स्थित हरिओम अग्रसेन अस्पताल में प्रकोष्ठ सह संयोजक महाशय अनंग पाल चौहान व टीम के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत ने की। राजपूत सभा धारूहेड़ा के अध्यक्ष सूबेदार चरण सिंह छोकर व जिला प्रवासी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह नेगी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम सर्व सम्मति से तीन प्रस्ताव पारित किए गए। होली खेलते समय केमिकल युक्त रंग गुलाल और पानी का प्रयोग नहीं करने, हर महीने परिवार मिलन की बैठक का आयोजन जारी रखने तथा हर तीसरे महीने जिले के किसी एक गांव में परिवार मिलन का कार्यक्रम रखने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने दहेज, नशाखोरी जैसी कुरीतियों से दूर रहने, शिक्षा व स्वरोजगार को बढ़ावा देने और परस्पर एकता बनाकर लोकशाही की मानसिकता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संजय परमार, सूबेदार गणपत सिंह, जितेन्द्र सिंह परमार, प्रियंका सिंह, धर्मबीर चौहान, गजराज सिंह चौहान, प्रीति चौहान, नैंसी सिंह, प्रेमपाल सिंह अनपढ़, बाबूदान सिंह तंवर व सूबेदार उदय सिंह चौहान ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर अजीत चौहान, अजय चौहान, अनिल चौहान, शिवम चौहान, कप्तान राजेंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, राधे श्याम तंवर, सुनील तंवर, राम चन्द्र सिंह तंवर, हरिओम सिंह तंवर, राजपाल सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, रमेश सिंह, नीरज सिंह, सुनील रावत, कमल सिंह बिष्ट, राम किशन सिंह, बिक्रम सिंह चौहान, पुष्पलता व जंगबीर सिंह उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद राजपूत परिवार मिलन प्रकोष्ठ के सदस्य।

खबर संक्षेप

बादल राठौड़ को मिली पीएचडी की उपाधि

नाहड़। खंड नाहड़ में कार्यरत बादल राठौड़ को रविवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय महेन्द्रगढ़ हरियाणा की ओर से आयोजित समारोह में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। डा. बादल राठौर फिलहाल ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं पंचायती राज संस्था भारत सरकार में खंड नाहड़ में पंचायती राज एसोसिएट्स के पद पर कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय ने उन्हें मैनेजमेंट स्टडी में पीएचडी की डिग्री से नवाजा है। इस समय वे पोस्ट डॉक्टरल के लिए भी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रो. अजय पाल शर्मा, प्रो.आनंद शर्मा, विभाग अध्यक्ष प्रो.सुनीता तंवर, डा. अजय कुमार एवं इकोनॉमिक्स विभाग के प्रो. रंजन अनेजा को दिया है। क्षेत्र के अनेक बुद्धिजीवियों व गणमान्य लोगों ने डा. बादल राठौड़ को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

दुष्कर्म का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने गत वर्ष कस्बे की एक कॉलोनी में रहने वाली मूल रूप से यूपी की एक महिला को अगवा करने के बाद दुष्कर्म का शिकार बनाने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। एक कॉलोनी में रहने वाली 27 वर्षीय महिला 19 नवंबर 2024 को घर से लापता हो गई थी। काफी तलाश करने के बाद भी जब महिला नहीं मिली, तो उसके पति ने 21 नवंबर को सेक्टर-6 पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई थी। इसके बाद महिला कुछ दिन बाद वापस आ गई। महिला ने अपने बयान में आरोप लगाया था कि ट्रक चलाने वाले उसी के गांव का रहने वाला गौरव नामक युवक उसे जबरन अपने साथ ले गया था। वह उसे फरीदाबाद के एक होटल में ले गया। वहां उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। बाद में वह उसे धारूहेड़ा छोड़कर फरार हो गया। किसी को बताने पर उसने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने महिला के बयान पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी गौरव को गिरफ्तार कर लिया।

एएसआई रचना ने जीता सिल्वर मेडल

बावल। हरियाणा पुलिस में कार्यरत एएसआई रचना यादव ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से बैंगलोर में आयोजित नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल जीता है। रचना यादव रेवाड़ी के थाना कसोला में कार्यरत है। रचना ने ड्यूटी के साथ-साथ खेलों में भी अनेकों बार मेडल जीतकर हरियाणा पुलिस का नाम रोशन किया है। रचना यादव के पति मुंडिया खेड़ा निवासी नवीन यादव भाजपा मंडल अध्यक्ष है। रचना खेलों में 6 बार राष्ट्रीय पदक, 3 बार अखिल भारतीय पुलिस मेडल व 4 बार रजत मेडल जीत चुकी है। एएसआई ने बैंगलोर में आयोजित मास्टर नेशनल गेम्स में हैमर थ्रो कर सिल्वर मेडल जीतकर इंडोनेशिया के लिए क्वालिफाई किया है। रचना के पिता परमानंद यादव सेना से सेवानिवृत्त है। एसपी डा. मयंक गुप्ता सहित सभी पुलिस अधिकारियों व स्टाफ ने एएसआई को बधाई दी है।

बीके विवि में 22 और 23 को स्वास्थ्य शिविर लगेगा

तोशाम। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा तोशाम द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर व सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। शाखा प्रभारी बी के मंजू ने बताया कि 22 व 23 फरवरी को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा तो शाम को 5 बजे से 7 बजे तक रहेगा।

बैंक खाते में ढाई करोड़ का फर्जी लेनदेन, पुलिस के हत्थे चढ़ा बैंक उप प्रबंधक

- आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने में जुटी पुलिस
- पुलिस ने मल्ली देवी की शिकायत पर बैंक मैनेजर सहित कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

आसलवास के एक दंपति के नाम पर आईसीआईसीआई बैंक की ब्रास मार्केट शाखा में वर्ष 2009 में खोले गए ज्वाइंट अकाउंट में पांच साल के दौरान लगभग 2.5 करोड़ रुपये का फर्जी लेनदेन करने के आरोपी बैंक उप प्रबंधक को थाना मॉडल टाउन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है।

मॉडल टाउन थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में आसलवास निवासी मल्ली देवी ने बताया था कि गांव में एसएचआईआईडीसी की ओर से जमीन का अधिग्रहण किया जाना था। ब्रास मार्केट की आईसीआईसीआई बैंक शाखा के अधिकारियों ने गांव में कैंप लगाकर ग्रामीणों के बैंक खाते खोले थे। 21 नवंबर 2009 को मल्ली व उसके पति रोहताश के नाम पर खोले गए ज्वाइंट अकाउंट में खाता धारकों ने महज 5 हजार रुपये का लेनदेन किया था।

इसके मल्ली के पति रोहताश की 15 सितंबर 2012 को मौत हो गई। आयकर विभाग की ओर से मल्ली देवी को इस ज्वाइंट अकाउंट में वर्ष 2010 से 2015 के बीच दो से ढाई करोड़ रुपये का लेनदेन होने का नोटिस भेज दिया। मल्ली के बेटे कंवर कंवर सिंह ने अपने सीएम के मार्फत आयकर विभाग को पिता का मृत्यु प्रमाण भेजकर अपना पक्ष साफ किया था।

इसके बाद कंवर सिंह ने बैंक उप प्रबंधक से लेनदेन का ब्योरा मांगा, तो उसने कोई ब्योरा नहीं दिया। पुलिस ने मल्ली देवी की शिकायत पर बैंक मैनेजर सहित कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने झारखंड के इटकी निवासी बैंक उप प्रबंधक रामकुमार प्रसाद को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में बैंक उप प्रबंधक रामकुमार प्रसाद। फोटो : हरिभूमि

सीएम विंडो पर दायर किया था परिवाद

लगभग 72 वर्षीय मल्ली देवी को जब बैंक खाते में करोड़ों रुपये के लेनदेन का नोटिस मिला, तो पूरे परिवार की परेशानी बढ़ गई। शुरू में पुलिस भी केस दर्ज करने में आनाकानी करती रही। इसके बाद विधवा महिला ने सीएम विंडो से लेकर अधिकारियों तक से कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद ही उसकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इस मामले खाते में लेनदेने करने वाले दूसरे लोगों की गिरफ्तारी भी जल्द होने के आसार बन गए हैं।

इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ने के साथ-साथ साइबर ठगी के बढ़ रहे मामले

अनजान कॉल से रहें सावधान, परिचित बनकर साइबर ठग कर सकते धोखाधड़ीः डा. मयंक

- शिकार होने पर साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से नागरिकों को साइबर फ्रॉड से बचने के लिए विशेष सावधानी व सतर्कता बरतने की हिदायत दी गई है। पुलिस अधीक्षकडा. मयंक गुप्ता ने कहा कि आज के आधुनिक जीवन में लोगों को किसी भी चीज के बारे में कोई भी जानकारी प्राप्त करनी होती है, तो इंटरनेट के माध्यम से आसानी से प्राप्त कर सकते है। सभी वर्तमान में टेक्नालॉजी के इस दौर में इतने तेजी से गुजर रहे है कि इंटरनेट के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। एसपी ने कहा कि जितनी तेजी से हम इस डिजिटल दुनिया की ओर बढ़ रहे है, लोगों की इंटरनेट पर निर्भरता भी उतनी ही बढ़ गई है। इसके साथ-साथ साइबर ठगी के मामलें भी बढ़ रहे है, इसलिए सभी को पूरी तरह से सतर्क रहने की आवश्यकता है। एसपी डा. गुप्ता ने कहा कि साइबर अपराधी ठगी करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए आमजन समझदारी और सावधानी से ही साइबर अपराधियों के चुंगल से अपने आपको बचा सकते है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लोगों के पास किसी अंजान नंबर से कॉल कर खुद को आपका परिचित बताते हैं और उसके बाद किसी तीसरे व्यक्ति के पास अपनी पेमेंट रुकी होने की बात कहकर खातों में पैसे भेजने की बात कहकर मोबाइल पर ओटीपी या क्यूआर कोड भेजते हैं।

एसपी डॉ. मयंक गुप्ता

यदि आप ओटीपी को किसी दूसरे व्यक्ति को शेयर करते हो अथवा उनके द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड को स्कैन करते हैं, तो साइबर ठग आपके बैंक खाते में से पैसे ट्रांसफर कर अकाउंट को खाली कर सकते हैं, इसलिए ऐसा करने से बचने में ही समझदारी है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साइबर अपराधियों का गिरोह किसी व्यक्ति के व्हाट्सएप या फेसबुक पर वीडियो कॉल करते हैं और अश्लील वीडियो कॉल करने के लिए उकसाते हैं। कुछ व्यक्ति गिरोह के झांसे में आ भी जाते हैं और वह अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर ली जाती है। साइबर ठग वीडियो का हवाला देकर पैसे की मांग करने लगते हैं और जो व्यक्ति इनकी बातों में नहीं आते तो साइबर ठग ऐसे व्यक्ति की फोटो लगाकर फर्जी अश्लील वीडियो बना उसे वायरल करने की धमकी देकर उससे मोटी रकम की मांग करते हैं। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस की ओर से साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए लगातार सेमिनार व गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है।

एसपी ने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही से आपकी वर्षों की कमाई पर पानी फिर सकता है। उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति साइबर क्राइम का शिकार हो जाता है तो तुरंत सरकार द्वारा जारी साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या साइबर पोर्टल वेबसाइट साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा थानों में स्थापित किए गए साइबर हेल्प डेस्क पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

रेवाड़ी। बच्चों को योगाभ्यास कराते हुए डा. युद्धवीर। फोटो : हरिभूमि

शरीर में बनने वाली सप्त धातुओं में शुक्र धातु सबसे अहमः डा. युद्धवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नव सृष्टि योग एव शोध संस्थान की ओर से गढ़ बोलनी रोड स्थित रेजांगला पार्क में निःशुल्क योग एव संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जीआर अकेडमी ने सहयोग दिया। शिविर का शुभारंभ नव सृष्टि योग एवं शोध संस्थान के संस्थापक डा. युद्धवीर योगी तथा अकेडमी से मास्टर महिपाल यादव ने मंत्रोच्चारण के साथ किया। डा. युद्धवीर ने बच्चों को योगिंग-जॉगिंग व सूर्य नमस्कार के अभ्यास के साथ हाइट तथा संतुलन बनाने वाले अभ्यास ताड़ासन, वृक्षासन, गरुड़ासन व चक्रासन का अभ्यास कराया। विद्यार्थी जीवन ब्रह्मचर्य काल है तथा इस काल में बच्चों को अपने शरीर में बल व बुद्धि का सृजन करना चाहिए। हमारे शरीर में बनने वाली सप्त धातुओं में शुक्र धातु सबसे अहम है, जिसका रक्षण करना एक विद्यार्थी का परम कर्तव्य है। आज के समय में कम उम्र में ही बच्चे गलत संगत में पड़ रहे है, जोकि समाज के लिए चिंता का विषय है। हमारे जीवन में संस्कारों का विशेष महत्व है, इसलिए हमे योग के साथ जुड़कर नित्य प्रति आसनों तथा प्राणायमों का अभ्यास करना चाहिए तथा मर्यादित जीवन जीते हुए अपने समाज व राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने चाहिए। मास्टर महिपाल ने बच्चों को ध्यान का अभ्यास कराया।

जीवन में उमंग, उल्लास व आपसी भाईचारे का संदेश देता है होली का पर्व : डा. दीपक

रेवाड़ी। अतिथियों का सम्मान करते हुए संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में रविवार को फाल्गुन माह में फाग उत्सव श्याम संग खेलेंगे होली का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. दीपक यादव पूर्व आईएमए प्रधान, नई दिशा युवा मंच के अध्यक्ष एडवोकेट निशांत यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि होली के त्योहार का पौराणिक महत्व है। होली का पावन त्योहार जीवन में उमंग, उल्लास व आपसी भाईचारे का संदेश देता है। होलिका को ब्रह्मा जी का वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती। होलिका भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई। भक्त प्रह्लाद को अपने भगवान की शक्ति पर पूरा विश्वास था। परिणाम यह हुआ कि भक्त प्रह्लाद की रक्षा हुई और होलिका जल कर राख हो गई। तभी से सभी होली की पवित्र अग्नि में साक्षात भगवान के दर्शन कर अग्नि देवता की परिक्रमा कर आशीर्वाद लेते हैं। नव प्रेरणा के जिला प्रधान हरीश मलिक, पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल व प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। इन दिनों किसान अपनी फसलों को लहलहाते हुए देखकर प्रभु का धन्यवाद करते हैं व गुलाल व चंदन का तिलक लगाकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं। महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद प्रीति कपूर व विदूषी सुनीता आर्य ने कहा कि सभी होली के अवसर पर एक-दूसरे को पक्के रंग न लगाएं व जल संरक्षण करें। आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की एक बूंद भी व्यर्थ न बहाएं। सभी ने एक-दूसरे को चंदन का तिलक लगाकर व फूलों से होली खेलकर पर्व मनाए। हैल्थ एंड वेलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को घुटनों व कमर के दर्द में उपयोगी व्यायाम का अभ्यास कराया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए श्याम प्रेमी बोबी चांदना, पर्यावरणविद् भारत भूषण राजपाल, शिक्षाविद यतीश सिंहल, समाजसेवी राजेंद्र गेरा व धार्मिक प्रचारक लक्ष्मी नारायण अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में सुदर्शन मेहंदीरत्ता, त्रिलोक, अमित गुप्ता, कपिल कपूर, सोनिया कपूर, प्रशांत पारीक, राहुल व सत्यपाल शास्त्री सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

उत्कृष्ट सेवा देने के लिए शिक्षक का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

कृष्णा आदर्श शिक्षण संस्थान बहोतवास भोंदू में उत्कृष्ट सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी नसीब सिंह ने कहा कि बेहतरीन सेवा के लिए समाज की ओर से उत्कृष्ट सेवा सम्मान दिया जाना चाहिए। समारोह के मुख्य वक्ता पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी जाटूसाना राजकुमार जलवा ने कहा कि ऐसे नींव के पत्थर की जितनी प्रशंसा की जाए उतना कम है। वक्ताओं ने अमित यादव पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन कृष्णा आदर्श शिक्षा संस्थान की ओर से आयोजित उत्कृष्ट सेवा सम्मान समारोह की प्रशंसा की। बहोतवास भोंदू गांव के राजकीय प्राथमिक पाठशाला में जेबीटी अध्यापक रवि प्रकाश पदोन्नत होकर बहाला राजकीय स्कूल में गए हैं। रवि प्रकाश ने कार्यकाल में जिला स्तर पर विद्यालय ने अवार्ड प्राप्त किया। शिक्षक को हरियाणा सरकार द्वारा राज्य शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में रवि प्रकाश को उनकी सेवा के लिए बहोतवास भोंदू की पंचायत एवं ग्राम वासियों ने उत्कृष्ट सेवा सम्मान देकर सम्मानित किया। कर्मवीर यादव सरपंच बहोतवास भोंदू ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के आयोजक अमित यादव ने सभी का आभार प्रकट किया। मंच संचालन रविंद्र आशावादी संरक्षक कृष्णा आदर्श शिक्षण संस्थान ने किया। इस अवसर पर रोहतास पंच, सुल्तान सिंह, मनोहर प्रधान, अमरसिंह, करतार सिंह, महावीर पूर्व सरपंच, बिरेंद्र सिंह, मास्टर ज्ञानचंद, डा. बलवान, डा. अशोक कुमार,कैप्टन लालचंद, मास्टर मुकेश, लालसिंह, श्रीचंद नंबरदार, धर्मचंद शर्मा व नरेश चौहान मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, शिक्षक व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

साध्वी डॉ. राधा गिरी को महामंडलेश्वर बनाया

बवानीखेड़ा। गीता मनीषी डॉ. राधा गिरी को जूना अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी व श्री महंत प्रेम गिरी के मार्गनिर्देशन में हुए समारोह में उन्हें महामंडलेश्वर बनाया गया। जूना अखाड़ा पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने उनका अभिषेक कर विधिवत रूप से महामंडलेश्वर पट्टा अभिषेक किया गया। रामेहर शास्त्री बवानी खेड़ा ने बताया डॉ. राधा गिरी ने भौतिक जगत की संपूर्ण शिक्षा ग्रहण की हुई है ।

लक्ष्मी नारायण मंदिर से श्रद्धालुओं ने निकाली श्री श्याम निशान यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर के गढी बोलनी रोड स्थित बीएमजी सिटी स्थित केसरी लक्ष्मी नारायण मंदिर से रविवार को बाबा खाटू श्याम की निशान यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने हाथ में श्री श्याम ध्वजा लेकर खाटू श्याम बाबा जयकारें लगाए। समाजसेवी राधेश्याम गुप्ता ने मंदिर परिसर में खाटू श्याम बाबा की ज्योत प्रज्वलित कर निशान यात्रा की शुरूआत की। श्रद्धालुओं ने 151 श्याम ध्वजा के साथ निशान यात्रा शुरू की। निशान यात्रा लक्ष्मी नारायण मंदिर से शुरू होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए वापस मंदिर में सम्पन्न हुई। मंदिर के पुजारी प्रकाश मिश्रा ने श्रद्धालुओं को ध्वजा के साथ प्रसाद वितरित किया। मंदिर परिसर में शाम को भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर विजय कुमार गुप्ता, रिपुदमन गुप्ता, रवि गुप्ता, अनिल गोयल, अनिल किसनानी, शक्ति यादव, केसी भारद्वाज, राजकुमार गर्ग, एडवोकेट अश्विनी कुमार तिवारी,लक्ष्मण अग्रवाल, अर्पित तिवारी, कियांश गोयल, रेखा शर्मा, सुनील अग्रवाल, प्रभा तिवारी, सुषमा यादव, बीना खोला व पुष्पा यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

रेवाड़ी। मंदिर परिसर से निशान यात्रा निकालते श्रद्धालु।

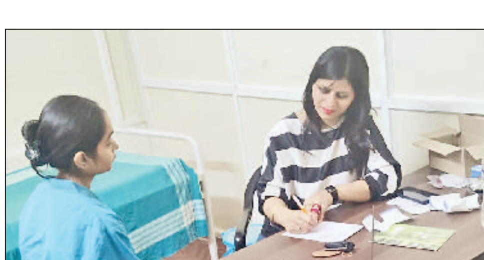

रेवाड़ी। शिविर में महिला को परामर्श देते हुए डा. कोमल यादव। फोटो : हरिभूमि

यादव कल्याण सभा के हेल्थ कैंप में 157 लोगों ने करवाई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डॉक्टरों की टीम ने शिविर में 157 लोगों को ओपीडी सेवाएं देकर फ्री दवाईयां भी प्रदान की। डा.एस पी यादव ने मेडिसिन, डा. अनिल यादव ने हड्डीरोग, डा. अभिनव राव ने सर्जरी, डा. योगेन्द्र यादव ने चर्मरोग, डा. गौतम यादव ने नेत्ररोग व डा. कोमल यादव ने दंतरोग के रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया। फिजियोथरेपिस्ट लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने भी फिजियोथेरेपी में फ्री सेवाएं दी। शिविर के आयोजन में डा. यशपाल यादव, जसवंत सिंह, राम सिंह, गोकल राम, प्रो. सतीश यादव व बिक्रम ने सहयोग दिया।

समारोह कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और उपलब्धियों को साझा करना था

लावण्या फाउंडेशन का होली मिलन समारोह आयोजित, महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

कार्यक्रम संयोजक संगीता थीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

लावण्या फाउंडेशन की ओर से बाल भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यकम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। फाउंडेशन की कार्यक्रम संयोजक व उपप्रधान संगीता ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं को एक मंच प्रदान करके भारतीय संस्कृति, परंपराओं और उपलब्धियों को साझा करना था। उन्होंने कहा कि जब एक नारी आगे बढ़ती है तो पूरा परिवार, समाज और देश प्रगति करता है। कार्यक्रम की सह संयोजक हितु कौशिक ने महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक सौहार्द पर बढ़ावा दिया। महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आध्यात्मिक विकास पर प्रेरक संदेश दिए।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद संस्था सदस्य व महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

कार्यक्रम में संस्था की ओर से महिला रंजना, सुनीता, सरला, मीनाक्षी, सुनीता, हेमा गुप्ता, अंजू जोशी, सिमरन, निक्की, सुषमिता, मुस्कान लांबा व अंजना को सम्मानित किया गया। संस्था की सदस्य अंजली, पूर्वी, कोमल, निर्मला,भूमि, श्रेया व ईशानी ने समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। महिलाओं ने होली के रंग-गुलाल के साथ फाग के गीत भी गाएं। संस्था के प्रधान दीपक कुमार ने कहा कि समारोह का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के योगदान को पहचान देना और समाज में उनकी भूमिका को सशक्त करना था ताकि समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सशक्तिकरण को और बढ़ावा मिल सके।

इस अवसर पर पारिशा शर्मा, बरखा डाटा, कृपा जेमिनी, नीतू चैधरी, स्वीटी, डिम्पल गुप्ता, नूतन शर्मा, सुमन चैहान, रोहित सैनी, रविन्द्र व सागर सैनी उपस्थित थे।